अमर उजाला

रविवार • 28.02.2021

kanpur.amarujala.com

सीएसए वीसी को अतिरिक्त प्रभार

कानपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. डीआर सिंह को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। वह अग्रिम आदेशों तक सीएसजेएमयू के कुलपति का कामकाज देखेंगे। सीएसजेएमयू की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का कार्यकाल 18 फरवरी को समाप्त हो गया था। कुलाधिपति ने अग्रिम आदेशों तक उनका कार्यकाल बढ़ाया था। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कुलाधिपति को पत्र भेजकर टीएम भागलपुर विवि बिहार में अपनी नियुक्ति की सूचना देते हुए कहा था कि उन्हें एक मार्च को कार्यभार ग्रहण करना है। इसके मद्देनजर कुलाधिपति ने शनिवार को प्रो. डीआर सिंह को सीएसजेएमयू के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार सौंपने संबंधी आदेश जारी किया। (ब्यूरो)

आज
कानपुर
28 फरवरी, 2021
5

डॉ. डी.आर. सिंह को सीएसजेएमयू की कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार

कानपुर, 27 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डी.आर. सिंह ने आज शाम को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया है। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सीएसए के कुलपति डा. डी.आर. सिंह को कार्यभार सौंपा है। सीएसजेएमयू की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का कार्यकाल 18 फरवरी 2021 को समाप्त हो गया था। अब वे एक मार्च 2021 को टीएम भागलपुर विवि, पटना में कुलपति पद का कार्यभार संभालेंगी। 27 फरवरी 2021 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के विशेष कार्याधिकारी डा. पंकज एल. जानी की ओर से एक आदेश सीएसए और सीएसजेएमयू को भेजा गया है। राज्यपाल ने छत्रपति शाहू महाराज विश्वविद्यालय कानपुर उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 की धारा-12 (10) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रो. डी.आर. सिंह (सीएसए के कुलपति) को नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, अपने वर्तमान दायित्वों के साथ सीएसजेएमयू विवि कानपुर के कुलपतिं पद के दायित्वों के निर्वाहन हेतु नियुक्त किया है।

हस्ताक्षर कर कार्यभार ग्रहण करते वीसी डा. डीआर सिंह।

1 मार्च 2021 को टीएम भागलपुर विवि पटना का कार्यभार संभालेगी प्रो. नीलिमा गुप्ता

आज
कानपुर 28 फरवरी 2021

चारा अनुसंधान, शिक्षण व शोध के समझौता पर हस्ताक्षर

कानपुर, 27 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालय में चारा अनुसंधान शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों की सुदृढ़ीकरण के लिए भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के साथ समझौता परिपत्र (एमओयू)पर हस्ताक्षर किये गये हैं। चारे की विकसित विभिन्न किस्मों एवं विकसित होने वाले जर्म प्लाज्म पर शोध कार्य संपादित किए जा रहे हैं तथा इस दिशा में पूर्व में भी चारा उत्पादन के संबंध में विभिन्न एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं,जोकि प्रदेश के पशुपालकों में काफी लोकप्रिय हुई हैं। डॉ सिंह ने बताया कि अब समझौता परिपत्र (एमओयू) हो जाने से शिक्षा, शोध, प्रसार की गतिविधियों को नई दिशा मिल सकेगी तथा पशुपालकों को चारा उत्पादन के संबंध में नवीनतम तकनीकी दोनों संस्थान साझा करेंगे। निदेशक शोध डा. एचजी प्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं शोध कार्य हेतु भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी में उपलब्ध शोध संस्थानों का उपयोग कर सकेंगे, जिससे थीसिस की गुणवत्ता में वृद्धि होगी और छात्र-छात्राएं चारा विज्ञान विषय में दक्षता हासिल करेंगे।

हिन्दी दैनिक समाचार

RNI No. UPHIN/2007/23059

विशाल प्रदेश

प्रधान सम्पादक- मोहम्मद नासिर

कानपुर का लोकप्रिय समाचार पत्र

वर्ष : 15 | अंक : 41 | रविवार 28 फरवरी 2021 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

सीएसए विश्वविद्यालय के कुलपति को दिया गया सीएसजीएम विश्वविद्यालय का अतरिक्त चार्ज

अगले आदेशो तक प्रो डी0आर0 सिंह होंगे कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति

नासिर आजाद

कानपुर(विशाल प्रदेश)प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर का कार्यकाल 18-2-21 को समाप्त होने के क्रम में इनके कार्यकाल को नियमित कुलपति की नियुक्ति तक अथवा अग्रिम आदेश तक जो भी पहले हो विस्तारित किया गया था प्राफेसर नीलमा गुप्ता कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा दिनांक 23-2-21 पत्र के माध्यम से अनुरोध किया गया था कि उनकी नियुक्ति टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय बिहार में हो गई है तथा उन्हें दिनांक 1-3-21 को कार्यभार ग्रहण करना है उपयुक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत आनंदीबेन पटेल द्वारा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर उत्तर-प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रोफेसर डी0आर0 सिंह कुलपति चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर को नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो अपने वर्तमान दायित्वों के साथ छत्रपति शाहू जी महाराज विद्यालय कानपुर के कुलपति पद का दायित्वों के निर्वहन हेतु नियुक्त किया जाता है

चारा अनुसंधान शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों को मिलेगी नई दिशा

RIO NEWS24 10 hours ago कृषि, समाचार

- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर और भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के बीच हुआ समझौता

कानपुर। चारा अनुसंधान शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों की सुदृढ़ीकरण हेतु आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के साथ समझौता परिपत्र (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए। कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने बताया कि पूर्व में भी भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के सहयोग से गोल्डन जुबली फोरेज गार्डन की स्थापना की जा चुकी है। जिसके अंतर्गत चारे की विकसित विभिन्न किस्मों एवं विकसित होने वाले जर्म प्लाज्म पर शोध कार्य संपादित किए जा रहे हैं। इस दिशा में पूर्व में भी चारा उत्पादन के संबंध में विभिन्न एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं। जो प्रदेश के पशु पालकों में काफी लोकप्रिय हुई हैं।

डॉ सिंह ने बताया कि अब समझौता परिपत्र (एमओयू) हो जाने से शिक्षा, शोध, प्रसार की गतिविधियों को नई दिशा मिल सकेगी तथा पशुपालकों को चारा उत्पादन के संबंध में नवीनतम तकनीकी दोनों संस्थान साझा करेंगे। जिससे विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र के पशुपालकों को लाभ मिलेगा।
डॉ सिंह ने बताया कि अब समझौता परिपत्र (एमओयू) हो जाने से शिक्षा, शोध, प्रसार की गतिविधियों को नई दिशा मिल सकेगी तथा पशुपालकों को चारा उत्पादन के संबंध में नवीनतम तकनीकी दोनों संस्थान साझा करेंगे। जिससे विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र के पशुपालकों को लाभ मिलेगा।

विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉक्टर एच जी प्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं शोध कार्य हेतु भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी में उपलब्ध शोध संस्थानों का उपयोग कर सकेंगे। जिससे थीसिस की गुणवत्ता में वृद्धि होगी और छात्र-छात्राएं चारा विज्ञान विषय में दक्षता हासिल करेंगे।

भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि संस्थान की स्थापना सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण में चारा और पशुओं की उत्पादकता के गुणवत्ता की दृष्टिकोण से की गई है। डॉ यादव ने बताया कि संस्थान ने अब तक 40 से अधिक चारा फसलों का विकास किया है और अब चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के साथ चारा अनुवांशिकी संसाधन सुधार व उत्पादन पर दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे।

कानपुर विश्वविद्यालय के कुलपति होंगे प्रोफेसर डीआर सिंह

सीएसए विश्वविद्यालय के कुलपति डीआर सिंह को दिया गया कानपुर विश्वविद्यालय का अतिरिक्त चार्ज

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता की समय अवधि 18 फरवरी 2021 को पूर्ण होने के बाद। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता का कार्यकाल अग्रिम आदेशों तक बड़ा दिया था। जिसके बाद 27 फरवरी को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने अग्रिम आदेश देते हुए सीएसए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डीआर सिंह को अग्रिम आदेशों तक सीएसजेएम यूनिवर्सिटी का अतिरिक्त चार्ज देते हुए नियुक्त कर दिया। प्रो नीलिमा गुप्ता ने सीएसए के कुलपति प्रोफेसर डीआर सिंह को देर शाम चार्ज चार्ज संभालने की जिम्मेदारी दी वही कुलपति प्रो डी आर सिंह ने अपने कार्य को निर्वान करने के लिए तैयार पूर्ण रूप से ली।

28 feb_jan express - Read-only

जन एक्सप्रेस

@janexpresslive

लखनऊ, रविवार, 28 फरवरी, 2021 वर्ष : 12, अंक : 137, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹3.00/-

www.janexpresslive.com/epaper

भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के साथ एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे चारा अनुसंधान शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण के लिए शनिवार को भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के साथ समझौता परिपत्र (एम. ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने देते बताया कि पहले भी भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के सहयोग से गोल्डन जुबली फोरेज गार्डन की स्थापना की जा चुकी है। जिसमे चारे की विकसित विभिन्न किस्मों एवं विकसित होने वाले जर्म प्लाज्म पर शोध कार्य किए जा रहे हैं अब समझौता परिपत्र (एमओयू) हो जाने से शिक्षा, शोध, प्रसार की गतिविधियों को नई दिशा मिल सकेगी। निदेशक शोध डॉ.एच.जी.प्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं शोध कार्य के लिए भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी में उपलब्ध शोध संस्थानों का उपयोग कर सकेंगे जिससे थीसिस की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ ही चारा विज्ञान विषय में दक्षता हासिल कर पाएंगे।झांसी के निदेशक डॉ.विजय कुमार यादव ने बताया कि संस्थान द्वारा अभी तक 40 से अधिक चारा फसलों का विकास किया गया है और अब सीएसएयू के साथ चारा अनुवांशिकी संसाधन सुधार व उत्पादन पर दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे।

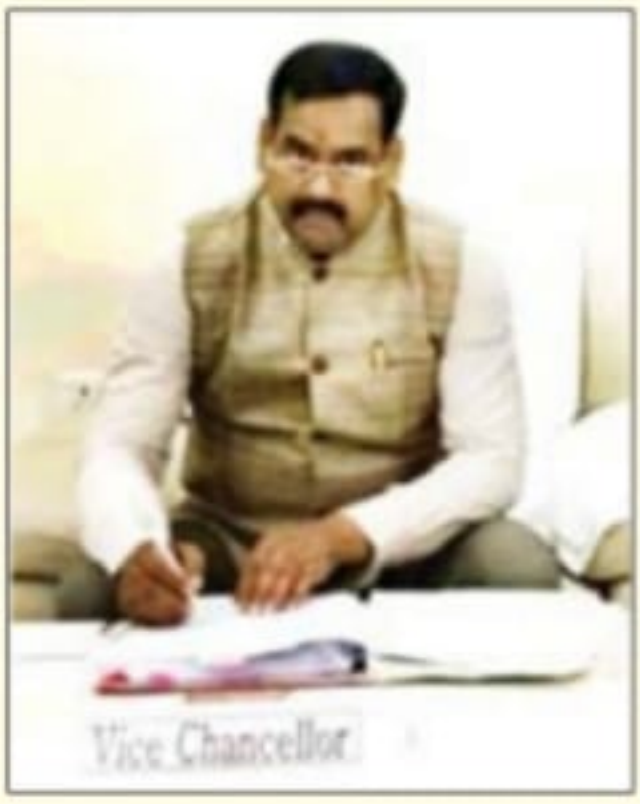

28 feb satta express - Read-only

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी. नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक : 197 कानपुर देहात,शनिवार 28,फरवरी,2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

एमओयू से शिक्षा,शोध,प्रसार की गतिविधियों को मिल सकेगी नई दिशा- डॉ डी आर सिंह

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में चारा अनुसंधान शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों की सुदृढ़ीकरण हेतु दिनांक 27 फरवरी 2021 को भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के साथ समझौता परिपत्र (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर हुए हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के सहयोग से गोल्डन जुबली फोरेज गार्डन की स्थापना की जा चुकी है। जिसके अंतर्गत चारे की विकसित विभिन्न किस्मों एवं विकसित होने वाले जर्म प्लाज्म पर शोध कार्य संपादित किए जा रहे हैं तथा इस दिशा में पूर्व में भी चारा उत्पादन के संबंध में विभिन्न एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं। जो प्रदेश के पशु पालकों में काफी लोकप्रिय हुई हैं। डॉ सिंह ने बताया कि अब समझौता परिपत्र (एमओयू) हो जाने से शिक्षा,

शोध, प्रसार की गतिविधियों को नई दिशा मिल सकेगी तथा पशुपालकों को चारा उत्पादन के संबंध में नवीनतम तकनीकी दोनों संस्थान साझा करेंगे। जिससे विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र के पशुपालकों को लाभ मिलेगा। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध ने बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राएं शोध कार्य हेतु भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी में उपलब्ध शोध संस्थानों का उपयोग कर सकेंगे। जिससे थीसिस की गुणवत्ता में वृद्धि होगी और छात्र–छात्राएं चारा विज्ञान विषय में दक्षता हासिल करेंगे। भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि संस्थान की स्थापना सामाजिक ,आर्थिक और पर्यावरण में चारा और पशुओं की उत्पादकता के गुणवत्ता की दृष्टिकोण से की गई है। डॉ यादव ने बताया कि संस्थान ने अब तक 40 से अधिक चारा फसलों का विकास किया है और अब चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के साथ चारा अनुवांशिकी संसाधन सुधार व उत्पादन पर दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे।

हिन्दी दैनिक समाचार

RNI No. UPHIN/2007/23059

विशाल प्रदेश

प्रधान सम्पादक- मोहम्मद नासिर

कानपुर का लोकप्रिय समाचार पत्र

वर्ष : 15 | अंक : 41 | रविवार 28 फरवरी 2021 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के साथ समझौता परिपत्र पर हुए हस्ताक्षर

दीपक गौड़

कानपुर(विशाल प्रदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में चारा अनुसंधान शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों की सुदृढ़ीकरण हेतु भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के साथ समझौता परिपत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए हैं उन्होंने बताया कि पूर्व में भी भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के सहयोग से गोल्डन जुबली फोरेज गार्डन की स्थापना की जा चुकी है जिसके अंतर्गत चारे की विकसित विभिन्न किस्मों एवं विकसित होने वाले जर्म प्लाज्म पर शोध कार्य संपादित किए जा रहे हैं।तथा इस दिशा में पूर्व में भी चारा उत्पादन के संबंध में विभिन्न एडवाइजरी जारी की जा चुकी हैं जो प्रदेश के पशु पालकों में काफी लोकप्रिय हुई हैं डॉ सिंह ने बताया कि अब समझौता परिपत्र (एमओयू) हो जाने से शिक्षा, शोध, प्रसार की गतिविधियों को नई दिशा मिल सकेगी तथा पशुपालकों को चारा उत्पादन के संबंध में नवीनतम तकनीकी दोनों संस्थान साझा करेंगे जिससे विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र के पशुपालकों को लाभ मिलेगा विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉक्टर एच जी प्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं शोध कार्य हेतु भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी में उपलब्ध शोध संस्थानों का उपयोग कर सकेंगे जिससे थीसिस की गुणवत्ता में वृद्धि होगी और छात्र-छात्राएं चारा विज्ञान विषय में दक्षता हासिल करेंगे भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी के निदेशक डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि संस्थान की स्थापना सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण में चारा और पशुओं की उत्पादकता के गुणवत्ता की दृष्टिकोण से की गई है डॉ यादव ने बताया कि संस्थान ने अब तक 40 से अधिक चारा फसलों का विकास किया है और अब चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के साथ चारा अनुवांशिकी संसाधन सुधार व उत्पादन पर दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे

सीएसए कुलपति को सीएसजेएमयू वीसी का कार्यभार

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीआर सिंह ने सीएसजेएमयू के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शनिवार शाम को आदेश जारी करते हुए कहा कि सीएसजेएमयू की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने आग्रह किया था कि उनकी नियुक्ति टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार में हो गई है। उन्हें पहली मार्च तक कार्यभार ग्रहण करना है। ऐसे में सीएसए के कुलपति को नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो, वर्तमान दायित्वों के साथ सीएसजेएमयू के कुलपति पद पर नियुक्त करती हूं। प्रो. नीलिमा का कार्यकाल 18 फरवरी को समाप्त हो गया था। अग्रिम आदेशों अथवा नई नियुक्ति होने तक उन्हें कार्यभार सौंपा गया था।

डॉ.डीआर सिंह को मिला विवि कुलपति का अतिरिक्त प्रभार

डा. डीआर सिंह।

कानपुर। सं।एसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ.डीआर सिंह को सीएसजेएमयू के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। राजभवन से इस बाबत जारी आदेश में कहा गया है कि डॉ.डीआर सिंह सीएसजेएमयू में नये नियमित कुलपति की नियुक्ति होने अथवा अग्रिम आदेशों तक अपने वर्तमान दायित्वों के साथ सीएसजेएमयू के कुलपति पद के दायित्वों का निर्वहन भी करेंगे। गौरतलब है कि सीएसजेएमयू कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की नियुक्ति टीएम भागलपुर विवि (बिहार) के कुलपति पद पर हो गई है। उन्हें 1 मार्च को कार्यभार ग्रहण करना है। इसके दृष्टिगत प्रो.नीलिमा गुप्ता ने राजभवन से कार्यमुक्त करने का अनुरोध किया था। *(एसएनबी)*

28 feb_jan express - Read-only

जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, रविवार, 28 फरवरी, 2021 वर्ष : 12, अंक : 137, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

प्रोफेसर डी. आर. सिंह ने कुलपति का पद संभाला

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी. आर. सिंह को अतिरिक्त चार्ज देते हुए छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निलिमा गुप्ता की

नियुक्ति टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय में की गई है। प्रोफेसर डी.आर. सिंह ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर पदभार ग्रहण किया।

सीएसए के कुलपति देखेंगे सीएसजेएमयू

जासं, कानपुर : छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में अभी तक बतौर कुलपति सेवाएं दे रहीं प्रो. नीलिमा गुप्ता अब बिहार के तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमयू) को संभालेंगी। राजभवन ने उन्हें एक मार्च को वहां कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिए हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति प्रो. डीआर सिंह को सीएसजेएमयू का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। उन्होंने शनिवार देर शाम कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रो. डीआर सिंह का कार्यकाल सीएसजेएमयू में नियमित कुलपति की नियुक्ति अथवा अग्रिम आदेश तक रहेगा। प्रो. डीआर सिंह पिछले एक वर्ष से अधिक समय अंतराल से सीएसए के कुलपति हैं।

कार्यभार ग्रहण करते प्रो. डीआर सिंह